Jeena Sikho
Health | Wealth | Happiness

Date: 23rd August, 2025

To,	To,
Manager - Listing Compliance **National Stock Exchange of India Limited** 'Exchange Plaza'. C-1, Block G, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai - 400 051 SYMBOL: JSLL	Head of the Department, Department of Listing Operation, **BSE Limited** Phiroze Jeejeebhoy Towers, Dalal Street, Mumbai 400001 SCRIP Code: 544476

Sub: Intimation regarding Press Release for Press Conference held on August 22, 2025

Dear Sir/Madam,

Pursuant to the Regulation 30 read with schedule III of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations 2015, we are pleased to update that **Jeena Sikho Lifecare Limited** organized a press conference on **Friday, August 22, 2025** at Radisson Lucknow City Center, Cantonment Road.

The event was addressed by **Acharya Manish Ji and Dr. Neha**, wherein they unveiled **India's first "Pet-Yakrit-Pleeha Shuddhi Kit" designed to deliver triple detoxification of the gut, liver, and spleen.**

A copy of the detailed **press release** in this regard is enclosed herewith for your information and records.

Kindly take the above intimation on your record.

Thanking you,
Yours faithfully,
For Jeena Sikho Lifecare Limited

MANISH GROVER
Digitally signed by MANISH GROVER
Date: 2025.08.23 18:22:36 +05'30'

Manish Grover
Managing Director
DIN: 07557886
Place: Zirakpur, Punjab
Date: 23-08-2025

Registered Office Address:
SCO-11, Kalgidhar Enclave, Baltana, Zirakpur, Punjab-140604, 01762-513185
CIN NO.: L52601PB2017PLC046545

Corporate Office Address:
B-26, Opp. Metro Pillar No. 223, Rohtak Road, New Multan Nagar, Delhi - 110056
Email ID.: cs@jeenasikho.com | www.jeenasikho.com

शिक्षक और स्नातक विधान परिषद की 11 सीटों पर लड़ेगी कांग्रेस : अजय राय

वीर अर्जुन संवाददाता

लखनऊ। आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय , पूर्व मंत्री ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। प्रेसवार्ता में मुख्य रूप उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी शिक्षक प्रकोष्ठ के कोऑर्डिनेटर डॉ0 अमित कुमार राय एवं को-कोऑर्डिनेटर प्रो0 श्रवण कुमार गुप्ता, मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, प्रदेश कांग्रेस ज्वाईनिंग प्रभारी नितिन शर्मा, कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ के कोऑर्डिनेटर आसिफ रिज़वी रिंकू शामिल रहे।

पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए श्री अजय राय जी ने कहा कि आज पूरे प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। विभिन्न समस्याओं को लेकर कहीं माध्यमिक शिक्षक धरना दे रहे हैं, तो कहीं डिग्री कॉलेज के शिक्षक। प्राथमिक शिक्षा विभाग में तो भ्रष्टाचार की अति ही हो गई है। वित्त विहीन विद्यालयों के शिक्षकों को न तो सम्मानजनक वेतन मिल पा रहा है और न ही उनकी सेवा सुरक्षित है।

श्री राय ने बताया कि शिक्षकों की समस्याओं एवं संबंधित मुद्दों के समाधान हेतु संघर्ष करने के लिए एवं कांग्रेस शिक्षक प्रकोष्ठ को मजबूती प्रदान करने के लिए डॉ. अमित कुमार राय जी को शिक्षक प्रकोष्ठ का कोऑर्डिनेटर तथा प्रोफेसर श्रवण कुमार गुप्ता जी को को-कोऑर्डिनेटर बनाया गया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मा0 श्री अजय राय जी ने बताया कि वित्त विहीन स्कूलों एवं कॉलेजों के शिक्षकों के भविष्य के प्रति कोई योजना वर्तमान योगी सरकार के पास नहीं है। माध्यमिक विद्यालय, डिग्री कॉलेज, प्राथमिक विद्यालय, मदरसा, संस्कृत पाठशालाओं के शिक्षकों की तमाम समस्याओं के निदान के लिए शिक्षक प्रकोष्ठ आंदोलन करेगा। प्रदेश में शिक्षा में व्याप्त भ्रष्टाचार की तरफ इशारा करते हुए श्री अजय राय जी ने कहा कि वैसे तो शिक्षा का पूरा तंत्र ही भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा है मगर एक बानगी के तौर पर मैं यहां प्राथमिक विद्यालयों में व्याप्त अव्यवस्था और भ्रष्टाचार की कुछ तस्वीरें आपको दिखाता हूं। बरसात में विद्यालयों में भरा पानी, रोड पर पढ़ते बच्चे, जर्जर भवन, श्री अजय राय ने कहा कि हम अपने नौनिहालों को रोज खतरों में डाल रहे हैं और यह सरकार है कि जिसके कान पर जूं नहीं रेंगती। प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक के शिक्षक भ्रष्टाचार से पीड़ित हैं।

प्रेसवार्ता को आगे संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी शिक्षक प्रकोष्ठ के नवनियुक्त कोऑर्डिनेटर डॉ0 अमित कुमार राय ने कहा कि वित्त विहीन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक शोषण के शिकार हैं उन्हें न तो सम्मानजनक वेतन मिल रहा है और न ही उनकी सेवा सुरक्षित है।

उन शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन मिलना चाहिए इसके साथ ही वित्त विहीन डिग्री कॉलेज के शिक्षकों को यूजीसी का वेतनमान दिया जाए। शिक्षकों एवं कर्मचारियों की मुख्य मांग है कि पुरानी पेंशन को लागू किया जाए जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है वहां पुरानी पेंशन लागू कर दी गई है। डॉ0 अमित राय ने कहा कि माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को पूर्व में जो सेवा सुरक्षा चयन बोर्ड के द्वारा दी गई थी उसे योगी सरकार ने धारा 18 तथा 21 को हटाकर समाप्त कर दिया है। तदर्थ शिक्षकों का भी विनियमितीकरण नहीं किया जा रहा है।एन0पी0एस0 में समय से ग्रांट नहीं भेजी जा रही है। नए शिक्षकों की भर्तियाँ न केवल माध्यमिक विद्यालयों में बल्कि मदरसा एवं संस्कृत पाठशालाओं में भी नहीं हो रही हैं। एनईपी के नाम पर सिर्फ केवल डिग्रियाँ बांटने का खेल चल रहा है।

तीन वर्ष का हाउस टैक्स की छूट के लिए व्यापारियों ने विधायक को लिखा पत्र

लखनऊ, (वीअ)। गौरी बाजार आदर्श ब्यापार मण्डल के पदाधिकारियों ने कोरोना काल से अब तक पांच वर्ष ब्यतीत हो गए है। इस कार्य काल के तीन वर्ष का हाउस टैक्स की छूट कराये जाने के लिए सरोजनी नगर विधायक डॉक्टर राजेश्वर सिंह कल एक पत्र लिखा है। जिसमे कहा गया है की गौरी बाजार क्षेत्र मे काम करने वाली कार्य दाई संस्था पी एन सी के कारण उत्पन्न समस्याओ से पीड़ित ब्यापारी एवं आम नागरिक एल्वेटेड निर्माण कार्य मे कार्य दाई संस्था पी एन सी की घोर लापरवाही की कार्य शैली से पूरा जनमानस त्रस्त हो चुका है.। पी एन सी कम्पनी की कार्य शैली के कारण महीनों से बंद स्कूटर इंडिया चौराहा खोला जाय।जिससे आवागमन सुचारु हो सके।कम्पनी द्वारा तोड़े गए नाले की ढीलाई की वजह से पानी दुकानों और घाटों मे भर रहा है।अतिमरण और रॉड शतिग्रस्त होने से पार्किंग की समस्या उत्पन्न है।गौरी सर्राफा बाजार का केंद्र है।गौरी मे कोई चौकी नहीं है। इसकी मांग की जाति है।कोरोना काल से एलीवेटेड रॉड जा निर्माण चलरहा है.। जिससे ब्यापार पूर्णतया मंदा रहा गई। जिसके चलते ब्यापारियो का तीन वर्ष जा हाउस टैक्स की छूट कराई जाय। इसके लिए विधायक सरोजनी नगर को एक पत्र देंकर निदान की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

भूख और प्यास से रंभाते मिले गोवंश

उमराहनी गोशाला में सूखी पड़ी चरही पर मुंह मारते गोवंश।

बांदा, (वीअ)। बबेरू ब्लाक के अंतर्गत ग्राम पंचायत उमराहनी की है यहां पर आज विश्व हिंदू महासंघ गौरक्षा समिति के जिला अध्यक्ष महेश कुमार प्रजापति अपनी टीम के साथ जब गौशाला में पहुंचे और देखा की गौशाला में खाने वाली चरही पूर्ण रूप से खाली थी उसमें गोबर पड़ा हुआ था और गोवंश भूख के कारण जमीन चाट रहे थे। आगे गौशाला कर्मचारियों से कहा गया कि आप भूसा अभी डालो लेकिन उसने कहा कि हम शाम के डालेंगे और वहां पर देखा गया कि सिर्फ लगभग 10 झाल भूसा रखा हुआ था, इसी कड़ी में आगे ग्राम पंचायत पून में देखा गया कि गोवंशों को स्वास्थ्य केंद्र में अंदर रखा गया जो की पानी के अंदर आधे ज्यादा गोवंश फंसे हुए थे। और देखा गया कि वहां पर एक भी कर्मचारी नहीं मिला गौशाला के बाहर ताला लगा हुआ था। ऐसी घटना ही बबेरू ग्रामीण की गौशाला में बंद 16 गोवंश जो की तस्करी करने वालों से पकड़ा गया था वहां पर भी ऐसा देखा किया कि बाहर से ताला लगा हुआ था गौशाला में वहां पर कोई कर्मचारी नहीं था वैसा प्रतीत होता है कि उनके भोजन की कोई व्यवस्था नहीं कराई गई। बबेरू ब्लॉक के अंतर्गत अधिकतर गौशालयों की हालत खराब है।

भंडारे का आयोजन कर श्रद्धालुओं को ग्रहण कराया प्रसाद

बदौसा, (वीअ)। भदाई अमावस्या के पावन अवसर पर ब्लॉक बनाओ संघर्ष समिति एवं भारतीय उद्योग व्यापार मंडल बदौसा के संयुक्त तत्वावधान में राज पैलेस परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। नेशनल हाईवे-35 से गुजरने वाले अमौसहारों और चित्रकूट जाने वाले तीर्थयात्रियों को प्रसाद वितरित कर धर्मलाभ कराया गया। सुबह से ही शुरू हुए इस विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। आयोजन में समिति के अध्यक्ष रामजस निषाद, सह संयोजक शिवप्रसाद उर्फ शिवा, संयोजक संतोष कुशवाहा, उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष विजय यादव, समाजसेवी धर्मेन्द्र सिंह खटीक, सुनील उपाध्याय, जिलाउपाध्यक्ष शिवप्रसाद उर्फ शिवा, दयानंद गुप्ता, सुधीर उपाध्याय, लाल यादव, रज्जू वर्मा सहित कई पदाधिकारी व व्यापारी मौजूद रहे। श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ लिया और आयोजन समिति की सेवा भावना की सराहना की। पदाधिकारियों ने कहा कि यह आयोजन सिर्फ प्रसाद वितरण नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था और सेवा भाव का अनोखा संगम है। कार्यक्रम में थानाध्यक्ष सुभाष वर्मा पुलिस बल के साथ पहुंचे और स्वयं श्रद्धालुओं को प्रसाद परोसकर सेवा का संदेश दिया। भारी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने वातावरण को भक्तिमय और मंगलमय बना दिया। समाजसेवियों व व्यापारियों ने लोगों से आह्वान किया कि ऐसे आयोजनों में शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त करें। भदाई अमावस्या का यह आयोजन बदौसा में धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता की मिसाल बनकर उभरा।

दो बाइकों की टक्कर से चार लोग गंभीर रूप से घायल

बबेरू, (वीअ)। कोतवाली क्षेत्र के फफूंदी और उमरी गांव के बीच दो बाईकों की आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें बाइक में सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, आनन फानन इलाज हेतु सामु स्वा केन्द मे भर्ती कराया प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रिफर किया गया। फफूंदी और उमरी गांव के बीच दो बाइकों की टक्कर से फफूंदी गांव निवासी अंकित साहू पुत्र भगवान दिन साहू उम्र करीब 23 वर्ष अनुज साहू पुत्र पप्पू साहू उम्र करीब 12 वर्ष, व दूसरा बाइक सवार बुद्दन पुत्र पप्पू सिंह उम्र 22 वर्ष, बच्चा पुत्र अवसान उम्र 30 वर्ष, निवासी रयान के चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने देखा तो परिजनों को सूचना दिया, मौके पर पहुंचे परिजनों के द्वारा सभी घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से सामु स्वा केंद्र में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरो द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद चारों को गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल रिफर कर दिया है।

पेड़ पर फंदे के सहारे से लटका मिला युवक का शव, फॉरेंसिक टीम ने की जांच

जसपुरा (बांदा) (वीअ)। जसपुरा थाना क्षेत्र के रामपुर गांव जाने वाले रास्ते पर शुक्रवार को एक युवक का शव बबूल के पेड़ से रस्सी के सहारे लटका मिला। मृतक की पहचान सुनील (30 वर्ष) पुत्र जयकरण निवासी ग्राम कैथी, थाना सुमेरपुर, जनपद हमीरपुर के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अनिल कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। साथ ही फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। शव सड़क किनारे पुलिया के पास बबूल के पेड़ से लटका मिला था। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन घटना संदिग्ध लग रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही असल कारणों का पता चलेगा। परिजनों ने बताया कि सुनील गुरुवार को अपने गांव कैथी से रामपुर में मंजू कुशवाहा के यहाँ रिश्तेदारी में गया था। इसके बाद शुक्रवार दोपहर को उसका शव पेड़ से लटका मिला। घटना के बाद से गांव में शोक का माहौल है, वहीं पुलिस हर पहलू से जांच में जुटी है।

मगरमच्छ दिखने से दहशत, रेस्क्यू ठंडे बस्ते में

बबेरू, (वीअ)। कोतवाली क्षेत्र के मझिला गांव के तालाब में 6 फुट का मगरमच्छ दिखाई देने पर गांव व आस पास क्षेत्रों के लोग सनसनी फैल गई। देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और वन विभाग की टीम व गोता खोरो की मदद से जाल डाल कर पकड़ने का प्रयास किया गया दूसरे दिन दिखाई न देने पर रेरक्सू आपरेशन नही हो सका ग्रामीण दहशत में है। कोतवाली क्षेत्र के मझिला गांव मे दूसरे दिन नहरी तालाब पर सुबह ग्रामीणों ने मगरमच्छ को देखा। मगर शाम तक दिखाई नही दिया ग्रामीणो मे दहशत व्याप्त है और गांव से तालाब सटा होने पर ग्रामीणों को डर सता रहा है कि किसी को कोई नुकसान न हो 24 घण्टे बीत जाने के बाद भी मगरमच्छ हाथ नहीं लगा आस पास के गांव के लोगो को देखने के लिये भीड लगी रही। वन विभाग के वन दरोगा सत्यम कुमार ने बताया कि आज मगरमच्छ दिखाई नहीं दिया चार टीम गठित कर ग्रामीणो को सतर्क किया जा रहा है जैसे ही दिखाई देखा रेक्ससू शुरू कर दिया जायेगा।

आयुर्वेदाचार्य मनीष गुरुजी ने लॉन्च किया पेट-यकृत-प्लीहा शुद्धि किट

लखनऊ, (वीअ)। आयुर्वेद और नेचुरोपैथी विशेषज्ञ आचार्य मनीष जी ने लखनऊ के रेडिसन सिटी सेंटर, कैंट रोड पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत का पहला पेट-यकृत-प्लीहा शुद्धि किट लॉन्च किया। यह विशेष किट आंत (पेट), लिवर (यकृत) और प्लीहा (स्प्लीन) की सेहत को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसे बनाने में 20 से अधिक वर्षों का शोध, क्लिनिकल ट्रायल और रोगियों पर सफल परिणाम शामिल हैं। यह किट लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों की जड़ तक पहुंचकर इलाज करने के लिए बनाई गई है।

सामान्य दवाओं की तरह यह केवल लक्षणों पर काम नहीं करती बल्कि रोगों को जड़ से ठीक करने और रोकथाम में सहायक है। यह न केवल लंबे समय से बीमार लोगों के लिए बल्कि स्वस्थ लोगों के लिए भी बनाई गई है ताकि वे इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर बीमारियों से बच सकें। किट में 4 हफ्तों का एक तयशुदा प्रोटोकॉल है, जो पाचन तंत्र को रीसेट करता है, लिवर को मेटाबॉलिक वेस्ट और हार्मोन प्रोसेसिंग में सहयोग करता है तथा प्लीहा की रोग प्रतिरोधक क्षमता और खून की शुद्धि को मजबूत बनाता है। इससे गैस, एसिडिटी, कब्ज, अपच, मोटापा, लिवर ओवरलोड और कमजोर पाचन जैसी बढ़ती समस्याओं से राहत मिल सकती है। लॉन्च के मौके पर आचार्य मनीष जी ने कहा सिर्फ लक्षणों का इलाज करने से सेहत ठीक नहीं रहती। असली इलाज तब होता है जब हम बीमारी की जड़ तक पहुंचें। आयुर्वेद बताता है कि जब पेट, लिवर और प्लीहा पर भार बढ़ जाता है तो शरीर का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे थकान, सूजन और गंभीर बीमारियां पैदा होती हैं। आयुर्वेद ग्रंथ अष्टांग हृदयम में कहा गया है कि सभी रोग पाचन की कमजोरी से शुरू होते हैं, जिससे शरीर में विष जमा होता है। पेट-यकृत-प्लीहा शुद्धि किट इसी संतुलन को रीसेट करने का एक संरचित तरीका है और इसे ट्रिपल डिटॉक्सिफिकेशन के सिद्धांत पर बनाया गया है।

खाद के लिए परेशान अन्नदाता, सपाइयों ने राज्यपाल से की फरियाद

बांदा। किसानों को खाद नहीं मिल पा रही। इसके चलते अन्नदाता परेशान हैं। समाजवादी पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन कलेक्ट्रेट में सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपकर खाद की समस्या का समाधान कराए जाने की मांग की। सपाइयों ने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों को खाद और बीज के साथ ही सिंचाई के पानी के लिए भी हलाकान होना पड़ रहा है।

कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देने आए समाजवादी पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन में सपा जिलाध्यक्ष मधुसूदन कुशवाहा ने कहा कि भाजपा सरकार में रात दिन, भूखा प्यासा रहकर लाइन में लगने के बाद भी किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है। समितियों के अधिकारियों व सत्ता पक्ष की मिली भगत से खाद की कालाबाजारी चरम पर है। कई जगह किसानों ने लाइन लगाई, व आक्रोशित हुए तो प्रश्नसन द्वारा किसानों के ऊपर लाठियों चलाई गयी हैं। किसानों को समय से खाद न मिल पाने के कारण एक तरफ धान की फसलें खराब हो रही हैं तो वहीं दूसरी तरफ खरीफ की फसल (दलहन व तिलहन) की फसलों की बुआई नहीं कर पाये हैं और जनपद का किसान पूरी तरह से बर्बाद हो रहा है। किन्तु भा.ज.पा. सरकार अपने खोखले वादों व जुमलेबाजी में मस्त है। सपाइयों ने कहा कि फसलों के लिए उर्वरक की प्री-पोजिसनिंग (एडवांस भण्डारण) एक भी नहीं कराया गया है। आगे आने वाली रवी की फसलों के लिए उर्वरक की उपलब्धता सिर्फ रैक प्वाइंट पर आधारित है, जिससे आने वाले समय में भी किसानों को उर्वरक नहीं मिल पायेगी और किसान अपनी रबी की फसल की बुआई नहीं कर पायेगा।

एक गोवंश का संरक्षण करने पर दी जाएगी डेढ़ हजार रुपए की धनराशि

बांदा, (वीअ)। गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता की अध्यक्षता एवं सदस्य गौ सेवा आयोग राजेश सिंह सेंगर, विधायक ओममणि वर्मा एवं एमएलसी जितेन्द्र सिंह सेंगर की उपस्थिति में जनपद स्तरीय अनुश्रवण मूल्यांकन व समीक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री गौवंश सहभागिता योजना के अन्तर्गत प्रत्येक किसान व लोगों को एक गौवंश का संरक्षण करने पर प्रतिमाह 1500 रूपये की धनराशि दी जायेगी। उन्होंने कहा कि बुन्देलखण्ड के जनपद बॉदा को गौवंश संरक्षण हेतु एक मॉडल के रूप में विकसित किया जायेगा। उन्होंने गौशालाओं में सीसीटीवी लगाकर कन्ट्रोल रूम बनाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर जोर देते हुए कहा कि गौवंश के गोबर एवं मूत्र का खेती में उपयोग करने से बेहतर पैदावार प्राप्त होगी। उन्होंने गौवंशों हेतु गोचर भूमि में हरे चारे की व्यवस्था कराये जाने तथा मनरेगा से कैटेल यूनिट सेड बनाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने गौशाला संचालकों से कहा कि वह गौवंशों हेतु एक एकड भूमि में हरे चारे का उत्पादन करें। उन्होंने गौ संरक्षण को मिशनरी के रूप में कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हर एक किसान एक गाय अवश्य पालें। उन्होंने गाय के गोबर से बायोगैस बनाये जाने एवं गौशालाओं में केयर टेकर के साथ पाराबिट रखे जाने के निर्देश दिये।

अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़, अभियुक्त गिरफ्तार

बांदा, (वीअ)। थाना बबेरु पुलिस ने अवैध शस्त्र निर्माण फैक्ट्री का पर्दाफाश करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। मौके से बड़ी मात्रा में निर्मित और अर्द्ध निर्मित तमंचे, कारतूस तथा शस्त्र निर्माण के उपकरण बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्त पूर्व में भी अवैध शस्त्र निर्माण के मामले में जेल जा चुका है। क्षेत्राधिकारी बबेरु सौरभ सिंह ने आज बताया कि गुरुवार, 21 अगस्त की शाम गश्त व चेकिंग के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम निभौर के गड़रा नाला पार शहीदन डेरा के पास जंगल में अवैध तमंचों का निर्माण किया जा रहा है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके पर घेराबंदी की और एक व्यक्ति को अवैध शस्त्र बनाते समय दबोच लिया। मौके से 05 तमंचा 315 बोर, 02 तमंचा 12 बोर, 01 अर्द्धनिर्मित तमंचा 315 बोर, 02 जिन्दा कारतूस 12 बोर, 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर, 01 मिस कारतूस व 01 खोखा कारतूस 315 बोर बरामद हुए। इसके अलावा धौंकनी, छेनी, नोहाई, हथौड़े, आरी, रेती, स्प्रिंग, ब्लेड, बाट आदि सहित बड़ी मात्रा में शस्त्र निर्माण के उपकरण भी जब्त किए गए। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान रामभजन निषाद पुत्र देवलाल निषाद निवासी तरसियन डेरा, मजरा निभौर थाना बबेरु जनपद बांदा के रूप में हुई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, अभियुक्त के खिलाफ पहले से ही चार आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और वह पूर्व में भी अवैध शस्त्र निर्माण के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने खुलासा किया कि वह अवैध तमंचों का निर्माण कर बांदा सहित आसपास के जनपदों में 5 से 6 हजार रुपये प्रति तमंचा बेचता था। फिलहाल पुलिस यह जांच कर रही है कि अभियुक्त द्वारा किन-किन लोगों को शस्त्रों की आपूर्ति की गई है।

जनपद को आपदा ग्रस्त घोषित किए जाने की मांग

बांदा, (वीअ)। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष अवधेश सिंह पटेल ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि मरका विद्युत पावर हाउस में पाच एमवीए के ट्रांसफार्मर की मांग पूर्व में की गई थी, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। इससे किसानों की फसलें सूख रही हैं। इसके साथ ही जनपद में अन्ना मवेशियों को गोशालाओं में तत्काल प्रभाव से संरखित कराया जाए। गोवंश सड़क पर भ्रमण कर रहा है। जिले के केन और यमुना की बाढ़ से नष्ट हुई फसलों का सही सर्वे कराकर शासनादेश के मुताबिक मुआवजा दिलाया जाए और अति वृष्टि से खरीफ की फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई है। मुआवजा व बीमा क्लेम दिलाया जाए। जनपद की सभी सहकारी समितियों में डीएपी व यूरिया की उपलब्धता कराई जाए। साथ ही जनपद को आपदा ग्रस्त घोषित किया जाए। न्याय पंचायत करतल में किसानों को करतल मंडी समिति से खाद वितरित कराई जाए। नगर पंचायत के तहत लोधैरा में सीसी रोड का निर्माण कराया जाए। इसके अलावा अन्य मांगें भी शामिल रहीं। इस दौरान मनोज कुमार, प्राची सिंह बैजनाथ अवस्थी, मनोज द्विवेदी, सत्यनारायण, माया सोनी समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं को वितरित की जा रही चाय और भोजन

बदौसा, (वीअ)। भदई अमावस्या पर कामदगिरि पर्वत के परिक्रमा हेतु पैदल तीर्थ यात्रियों का सैलाब उमर रहा है लगातार 19 तारीख की शाम से ही श्रद्धालु पैदल डीजे के साथ रामधन गाते हुए चित्रकूट कामतानाथ के परिक्रमा हेतु निकल रहे हैं।

कारण श्रद्धालुओं की आस्था बढ़ाने के साथ दूर-दूर से छतरपुर महोबा पनवाड़ी झांसी आदि जगहों से ढोल नगाड़ों और डीजे के साथ महिला पुरुष भगवान श्री राम की धुन पर गाते हुए सड़कों पर चल रहे हैं।

जगह-जगह श्रद्धालुओं के जलपान के लिए स्वयंसेवी संगठनों आस्था वन व्यक्तियों द्वारा भंडारे की व्यवस्थाएं संचालित की जा रही हैं। कहीं चाय बिस्कुट नमकीन पोहा तो कहीं सब्जी पूरी आदि खिलाई जा रही है। लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है।

भव्यता के साथ मनाया जाएगा गणेश महोत्सव

फोटो-01 : बांदा। शहर के महेश्वरी देवी मंदिर परिसर में शुक्रवार को गणेश महोत्सव समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में गणेश महोत्सव को लेकर योजना बनाई गई। तय किया गया कि जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराए जाने के लिए ज्ञापन दिया जाएगा। गणेश महोत्सव पूरी भव्यता के साथ मनाया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता विहिप के प्रांतीय पदाधिकारी अशोक ओमर जी द्वारा की गई। केंद्रीय गणेश महोत्सव समिति के प्रमुख संरक्षक एवं विहिप के प्रांतीय पदाधिकारी चन्द्रमोहन बेदी जी ने बताया कि समिति की द्वितीय बैठक 25/08/25 को रामलीला मैदान प्रांगण में आयोजित होगी एवं 26/08/25 को समिति द्वारा गणेश उत्सव की व्यवस्थाओ को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया जायेगा। कार्यक्रम संयोजक अमित सेठ भोलू जी द्वारा बताया गया कि 27 अगस्त से हमारा गणेश चतुर्थी का पावन उत्सव प्रारम्भ हो रहा है जिसमें नगर में लगभग 80 गणेश पण्डाल स्थापित किये जाते है जिन का विरसर्जन ग्यारवें दिन 06 सितम्बर को धूम धाम ने किया जायेगा। कार्यक्रम संचालक महेन्द्र धुरिया शंभु में गणेश उत्सव की भव्यता बड़ाने के लिये सभी समिति के अध्यक्षों से आग्रह किया। समिति के अध्यक्ष अभिषेक पाण्डेय ने सभी का आभार व्यक्त किया। बैठक में भाजपा नेता अभय प्रताप सिंह,लव सिन्हा, रजत रावत,दीपक गुप्ता, सुलभ सहगल, बदलेश सिंह,विमल निगम,बाबूराम निषाद, सूरज सोनी,शैलेन्द्र वर्मा, जीतू तिवारी, सचिन सोनकर, छोटू धुरिया, मणि शंकर रूपालिया, अर्जित अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए संयोजक अमित सेठ भोलू व मौजूद पदाधिकारी।

लखनऊ में उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड हेतु खाद्यान्न खरीद सुधार पर पांचवीं राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित

लखनऊ, (वीअ)। खाद्यान्न खरीद तंत्र में दक्षता, पारदर्शिता और डिजिटल एकीकरण को और मज़बूत बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (DFPD) की ओर से उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के लिए पाँचवीं राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन आज लखनऊ में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन भारतीय खाद्य निगम (FCI) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (CMD) ने किया। इस अवसर पर विभाग के संयुक्त सचिव, एफसीआई के वरिष्ठ अधिकारी, उत्तर प्रदेश सरकार के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के प्रमुख सचिव सहित उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान CMD, FCI ने बताया कि इस तरह की कार्यशालाएँ खाद्यान्न खरीद प्रणाली को और बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएँगी। उन्होंने कहा कि सचिव, DFPD का लक्ष्य नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर वांछित परिणाम प्राप्त करना है। उन्होंने राज्य के अधिकारियों से नीतियों के क्रियान्वयन पर अपने सुझाव देने का भी आग्रह किया ताकि सुधार प्रक्रिया को और सशक्त बनाया जा सके। कार्यशाला में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 164 राज्य व ज़िला स्तरीय अधिकारियों ने भाग लिया। इनमें प्रदेशिक सहकारी संघ (PCF UP), उत्तर प्रदेश राज्य भंडारण निगम (UPSWC), यूपीपीसीयू और यूपीएसएस जैसी एजेंसियों के प्रबंध निदेशक और अधिकारी शामिल रहे। कार्यशाला का मुख्य फोकस क्षमता निर्माण, अनुभव साझा करना और डिजिटल सुधारों से संबंधित नीतियों की व्यावहारिक जानकारी देना रहा।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

एडमिन यूनिट/जोन	Lucknow-NR-Division-Commercial/Northern Railway
नीलामी सूची सं.	MPS-AY-BPL-2025
कार्य का विवरण	Allotment of Multi-Purpose Stall at Ayodhya Dham railway Station of Lucknow Division for a period of five (05) years
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.08.2025
नीलामी प्रारंभ तिथि (समस्त लाट)	03.09.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बंद करने की तिथि व समय	03.09.2025 at 11:30 hrs.
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है : E-Auction Module of www.ireps.gov.in	

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2557/2025

वीर अर्जुन

राजधानी लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश की खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

ब्यू. प्रमुख: वीरेंद्र पाण्डेय

फोन नंबर: 9415106202, 0522-4043088

फैक्स:522-4043088

Email : virarjunlko@gmail.com

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित
शनिवार, 23 अगस्त, 2025

आयुर्वेद गुरु आचार्य मनीष ने लॉन्च किया भारत का पहला पेट-यकृत-प्लीहा शुद्धि किट, मिलेगा आंत, लिवर और प्लीहा का ट्रिपल डिटॉक्सिफिकेशन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। आयुर्वेद और नेचुरोपैथी विशेषज्ञ आचार्य मनीष ने लखनऊ के रेडिसन सिटी सेंटर, कैंट रोड पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत का पहला पेट-यकृत-प्लीहा शुद्धि किट लॉन्च किया। यह विशेष किट आंत (पेट), लिवर (यकृत) और प्लीहा (स्प्लीन) की सेहत को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसे बनाने में 20 से अधिक वर्षों का शोध, क्लिनिकल ट्रायल और रोगियों पर सफल परिणाम शामिल हैं। यह किट लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों की जड़ तक पहुंचकर इलाज करने के लिए बनाई गई है। सामान्य दवाओं की तरह यह केवल लक्षणों पर काम नहीं करती बल्कि रोगों को जड़ से ठीक करने और रोकथाम में सहायक है। यह न केवल लंबे समय से बीमार लोगों के लिए बल्कि स्वस्थ लोगों के लिए भी बनाई गई है ताकि वे इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर बीमारियों से बच सकें। किट में 4 हफ्तों का एक तयशुदा प्रोटोकॉल है, जो पाचन तंत्र को रीसेट करता है, लिवर को मेटाबॉलिक वेस्ट और हार्मोन प्रोसेसिंग में सहयोग करता है तथा प्लीहा की रोग प्रतिरोधक क्षमता और खून की शुद्धि को मजबूत बनाता है। इससे गैस, एसिडिटी, कब्ज, अपच, मोटापा, लिवर ओवरलोड और कमजोर पाचन जैसी बढ़ती समस्याओं से राहत मिल सकती है। लॉन्च के मौके पर आचार्य मनीष ने कहा सिर्फ लक्षणों का इलाज करने से सेहत ठीक नहीं रहती। असली इलाज तब होता है जब हम बीमारी की जड़ तक पहुंचें। आयुर्वेद बताता है कि जब पेट, लिवर और प्लीहा पर भार बढ़ जाता है तो शरीर का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे थकान, सूजन और गंभीर बीमारियां पैदा होती हैं। आयुर्वेद ग्रंथ अष्टांग हृदयम में कहा गया है कि सभी रोग पाचन की कमजोरी से शुरू होते हैं, जिससे शरीर में विष जमा होता है। पेट-यकृत-प्लीहा शुद्धि किट इसी संतुलन को रीसेट करने का एक संरचित तरीका है और इसे ट्रिपल डिटॉक्सिफिकेशन के सिद्धांत पर बनाया गया है। यह किट जीना सीखो लाइफकेयर लिमिटेड ने विकसित की है, जो भारत की तेज़ी से बढ़ती इंटीग्रेटिव हेल्थ कंपनियों में से एक है और स्टॉक मार्केट में सूचीबद्ध है। जीना सीखो ने इसे शोध, क्लिनिकल परीक्षण, डॉक्टर परामर्श और रोगियों को सपोर्ट सेवाओं के साथ बाजार में उतारा है। कंपनी का मकसद है कि हर घर में रोकथाम आधारित और संपूर्ण स्वास्थ्य की प्राथमिकता बने। इस किट में कुटकी, कालमेघ, हरड़, गिलोय, आंवला और भुम्यामलकी जैसी जड़ी-बूटियों का मिश्रण है, जिनमें लिवर की सुरक्षा, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और पाचन सुधारने की खासियत है। इसे आयुष मंत्रालय से मंजूरी मिली है और ।ह्वह्वस्रू अस्पतालों में वैलिडेट किया गया है। इसके अलावा, यह किट शुद्धि ब्रांड की कई अन्य उन्नत आयुर्वेदिक किट्स जैसे डायबिटीज केयर, बीपी केयर, डिप्रेशन और एंग्जायटी केयर, लिवर केयर, किडनी केयर, थायरॉइड केयर, फेफड़े, जोड़, कैंसर, हार्ट, यौन स्वास्थ्य, आंख और इम्युनिटी केयर किट्स की नींव भी है। यह किट अब अमेज़न, फ्लिपकार्ट, टाटा 1 ग्राम और देशभर की प्रमुख फार्मेसियों पर उपलब्ध है बता दें कि आचार्य मनीष जी पिछले 20 सालों से भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को नई दिशा दे रहे हैं। वे हमेशा जड़ से इलाज और डिटॉक्सिफिकेशन पर ज़ोर देते रहे हैं। उनकी संस्थाएं ,जीना सीखो लाइफकेयर, शुद्धि क्लीनिक्स और ।ह्वह्वस्रू अस्पताल, आज 125 से अधिक अस्पतालों और क्लीनिकों में 900+ मेडिकल एक्सपर्ट्स के नेटवर्क के साथ लाखों लोगों की सेवा कर रही हैं। उन्होंने आहार संतुलन और अंग शुद्धि पर आधारित स्वास्थ्य प्रोटोकॉल विकसित किए हैं, जो न केवल पुरानी बीमारियों में असरदार हैं बल्कि रोकथाम के लिए भी उपयोगी हैं।

लक्षण नहीं, बीमारी की जड़ पर काम करता है आयुर्वेद

लखनऊ में आचार्य मनीष की मांगः आयुष्मान भारत योजना में शामिल हो आयुष चिकित्सा पद्धति

संवाददाता

लखनऊ, 22 अगस्त (नवसत्ता)। प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य आचार्य मनीष ने आज लखनऊ में एक प्रेस वार्ता के दौरान केंद्र सरकार से आयुष्मान भारत योजना में आयुष चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब योजना का नाम ही आयुष्मान भारत है, तो उसमें आयुष (आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी) पद्धति को भी समुचित स्थान मिलना चाहिए।

आचार्य मनीष ने कहा कि आयुर्वेदिक दवाएं केवल लक्षणों का इलाज नहीं करतीं, बल्कि वे बीमारी की जड़ पर काम करती हैं और उसे रोकने में भी सक्षम हैं। उनका मानना है कि यदि लोग आयुर्वेद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, तो अनेक गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिर्फ लक्षणों को दबाना इलाज नहीं है। शरीर में जब पाचन तंत्र, यकृत (लीवर) और प्लीहा पर दबाव बढ़ता है, तो शरीर का संतुलन बिगड़ता है और थकान, सूजन जैसी समस्याओं से लेकर गंभीर बीमारियों तक की शुरुआत हो जाती है। आयुर्वेद में कहा गया है कि हर बीमारी की जड़ पाचन की कमजोरी होती है, जिससे शरीर में विषाक्त तत्व जमा होने लगते हैं। प्रेस वार्ता के दौरान आचार्य मनीष ने दो रोगियों को भी मंच पर बुलाया, जिनमें से एक महिला ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित थीं और एक पुरुष ब्लड कैंसर से। दोनों ने दावा किया कि उन्होंने सिर्फ आयुर्वेदिक चिकित्सा ली और अब पूरी तरह से स्वस्थ हैं। ब्रेस्ट कैंसर से ठीक हुई महिला ने बताया कि एलोपैथिक डॉक्टरों ने तुरंत बायोप्सी और कीमोथेरेपी की सलाह दी थी, लेकिन आयुर्वेदिक इलाज से बिना किसी आक्रामक प्रक्रिया के वह ठीक हो गईं। आचार्य मनीष ने कहा कि आयुर्वेद केवल बीमारियों का इलाज नहीं है, बल्कि यह जीवनशैली का विज्ञान है। उनके अनुसार यदि शरीर को समय-समय पर शुद्ध किया जाए और संतुलित आहार लिया जाए, तो कई बीमारियों से बचा जा सकता है। उनकी ओर से विकसित की गई 'पेट-यकृत-प्लीहा शुद्धि किट' इसी दिशा में एक उपयोगी उपाय है। आचार्य मनीष पिछले दो दशकों से भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को नई पहचान देने में जुटे हैं। वे जीना सीखो लाइफकेयर, शुद्धि क्लीनिक्स और हिम्स अस्पताल जैसी संस्थाओं के माध्यम से देशभर में 900 से अधिक आयुर्वेदिक विशेषज्ञों के नेटवर्क के साथ 125 से ज्यादा केंद्रों पर सेवा दे रहे हैं।

आयुर्वेद गुरु आचार्य मनीष जी ने लॉन्च किया भारत का पहला पेट-यकृत-प्लीहा शुद्धि किट, मिलेगा आंत, लिवर और प्लीहा का ट्रिपल डिटॉक्सिफिकेशन

देश प्रतिदिन

लखनऊ, 22 अगस्त 2025 : आयुर्वेद और नेचुरोपैथी विशेषज्ञ आचार्य मनीष जी ने लखनऊ के रेडिसन सिटी सेंटर, कैंट रोड पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत का पहला पेट-यकृत-प्लीहा शुद्धि किट लॉन्च किया। यह विशेष किट आंत (पेट), लिवर (यकृत) और प्लीहा (स्प्लीन) की सेहत को ध्यान में रखकर तैयार की गई है।इसे बनाने में 20 से अधिक वर्षों का शोध, क्लिनिकल ट्रायल और रोगियों पर सफल परिणाम शामिल हैं। यह किट लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों की जड़ तक पहुंचकर इलाज करने के लिए बनाई गई है। सामान्य दवाओं की तरह यह केवल लक्षणों पर काम नहीं करती बल्कि रोगों को जड़ से ठीक करने और रोकथाम में सहायक है। यह न केवल लंबे समय से बीमार लोगों के लिए बल्कि स्वस्थ लोगों के लिए भी बनाई गई है ताकि वे इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर बीमारियों से बच सकें। किट में 4 हफ्तों का एक तयशुदा प्रोटोकॉल है, जो पाचन तंत्र को रीसेट करता है, लिवर को मेटाबॉलिक वेस्ट और हार्मोन प्रोसेसिंग में सहयोग करता है तथा प्लीहा की रोग प्रतिरोधक क्षमता और खून की शुद्धि को मजबूत बनाता है। इससे गैस, एसिडिटी, कब्ज, अपच, मोटापा, लिवर ओवरलोड और कमजोर पाचन जैसी बढ़ती समस्याओं से राहत मिल सकती है। लॉन्च के मौके पर आचार्य मनीष जी ने कहा सिर्फ लक्षणों का इलाज करने से सेहत ठीक नहीं रहती। असली इलाज तब होता है जब हम बीमारी की जड़ तक पहुंचें। आयुर्वेद बताता है कि जब पेट, लिवर और प्लीहा पर भार बढ़ जाता है तो शरीर का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे थकान, सूजन और गंभीर बीमारियां पैदा होती हैं। आयुर्वेद ग्रंथ अष्टांग हृदयम में कहा गया है कि सभी रोग पाचन की कमजोरी से शुरू होते हैं, जिससे शरीर में विष जमा होता है। पेट-यकृत-प्लीहा शुद्धि किट इसी संतुलन को रीसेट करने का एक संरचित तरीका है और इसे ट्रिपल डिटॉक्सिफिकेशन के सिद्धांत पर बनाया गया है। यह किट जीना सीखो लाइफकेयर लिमिटेड ने विकसित की है, जो भारत की तेजी से बढ़ती इंटीग्रेटिव हेल्थ कंपनियों में से एक है और स्टॉक मार्केट में सूचीबद्ध है। जीना सीखो ने इसे शोध, क्लिनिकल परीक्षण, डॉक्टर परामर्श और रोगियों को सपोर्ट सेवाओं के साथ बाजार में उतारा है। कंपनी का मकसद है कि हर घर में रोकथाम आधारित और संपूर्ण स्वास्थ्य की प्राथमिकता बने। इस किट में कुटकी, कालमेघ, हरड़, गिलोय, आंवला और भुम्यामलकी जैसी जड़ी-बूटियों का मिश्रण है, जिनमें लिवर की सुरक्षा, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और पाचन सुधारने की खासियत है। इसे आयुष मंत्रालय से मंजूरी मिली है और लक्कटर अस्पतालों में वैलिडेट किया गया है। इसके अलावा, यह किट शुद्धि ब्रांड की कई अन्य उन्नत आयुर्वेदिक किट्स जैसे डायबिटीज केयर, बीपी केयर, डिप्रेशन और एंग्जायटी केयर, लिवर केयर, किडनी केयर, थायरॉइड केयर, फेफड़े, जोड़, कैंसर, हार्ट, यौन स्वास्थ्य, आंख और इम्युनिटी केयर किट्स की नींव भी है। यह किट अब, अमेजन, फ्लिपकार्ट, टाटा 1 और देशभर की प्रमुख फार्मेसियों पर उपलब्ध है। आचार्य मनीष जी के बारे में बता दें कि आचार्य मनीष जी पिछले 20 सालों से भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को नई दिशा दे रहे हैं। ये हमेशा जड़ से इलाज और डिटॉक्सिफिकेशन पर जोर देते रहे हैं। उनकी संस्थाएं ,जीना सीखो लाइफकेयर, शुद्धि क्लीनिक्स और लक्कटर अस्पताल, आज 125 से अधिक अस्पतालों और क्लीनिकों में 900+ मेडिकल एक्सपर्ट्स के नेटवर्क के साथ लाखों लोगों की सेवा कर रही हैं। उन्होंने आहार संतुलन और अंग शुद्धि पर आधारित स्वास्थ्य प्रोटोकॉल विकसित किए हैं, जो न केवल पुरानी बीमारियों में असरदार हैं बल्कि रोकथाम के लिए भी उपयोगी हैं।

Acharya Manish launches India's first Gut-Liver-Spleen Detox kit in Lucknow

@LUCKNOW NEWS
OUR CORRESPONDENT

LUCKNOW: Renowned Ayurveda and Naturopathy expert Acharya Manish Ji unveiled the Pet-Yakrit-Pleeha Shuddhi Kit, India's first kit formulated to target gut, liver, and spleen health, at a press conference held at Radisson Lucknow City Center, Cantonment Road.

Developed after over two decades of research, clinical trials, and patient outcomes, the kit is designed to address the root causes of lifestyle disorders through triple detoxification of three vital organs: the gut (pet), the liver (yakrit), and the spleen (pleeha). Unlike conventional remedies that focus on symptomatic relief, the Pet-Yakrit-Pleeha Shuddhi Kit is both curative and preventive. It is intended not only for patients managing chronic conditions but also for healthy individuals as part of a routine wellness and prevention strategy.

The kit provides a structured four-week protocol that helps reset digestive function, supports the liver in managing metabolic waste and hormonal processing, and strengthens spleen-mediated immunity and blood filtration. This makes it particularly relevant in tackling rising conditions such as gas, acidity, constipation, indigestion, obesity, liver overload, and poor gut health. Speaking at the launch, Acharya Manish Ji said, "Health cannot be sustained by addressing symptoms alone; it must begin with the root. Ayurveda teaches us that when the gut, liver, and spleen are overloaded, the body's balance collapses, leading to fatigue, inflammation, and chronic disease.

As Ayurvedic scripture Ashtanga Hridayam says that all diseases begin with the weakening of digestive fire, which creates toxins that become the root of ailments. They also remind us that the root cause of disease lies in the imbalance and accumulation of bodily wastes. The Pet-Yakrit-Pleeha Shuddhi Kit is a structured way to reset this balance and has been formulated on these principles to deliver triple detoxification."

The Pet-Yakrit-Pleeha Shuddhi Kit has been developed and clinically validated by Jeena Sikho Lifecare Ltd., a publicly listed company and one of India's fastest-growing integrative health enterprises.